

Series : SKS/1

कोड नं. **61/1/1**
Code No.

रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--

Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 12 + 2 मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 21 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains 12 printed pages + 2 Maps.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 21 questions.
- **Please write down the serial number of the question before attempting it.**
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घंटे]

[अधिकतम अंक : 100

Time allowed : 3 hours]

[Maximum Marks : 100

सामान्य निर्देश :

- (i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने लिखे हैं ।
- (ii) 2 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर (खण्ड क – प्रश्न सं. 1 से 3) 30 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए ।
- (iii) 5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर (खण्ड ख – अनुभाग I से IV – प्रश्न सं. 4-14) 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए । खण्ड-ख में अनुभाग-IV मूल्य परक प्रश्न है ।
- (iv) 10 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर (खण्ड ग – प्रश्न सं. 15 एवं 16) 500 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए ।
- (v) खण्ड घ के प्रश्न तीन स्रोतों पर आधारित हैं ।
- (vi) मानचित्र अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए (खण्ड ड) ।



General Instructions :

- (i) Answer **all** the questions. Some questions have internal choice. Marks are indicated against each question.
- (ii) Answer to questions carrying 2 marks (Part – A, 1 to 3) should not exceed 30 words each.
- (iii) Answers to questions carrying 5 marks (Part – B, Section – I to IV, Question No. 4 – 14) should not exceed 100 words each. **Part B, Section – IV is a value based question.**
- (iv) Answers to questions carrying 10 marks (Part C, Questions 15 and 16) should not exceed 500 words each.
- (v) Part D questions are based on 3 sources.
- (vi) Attach the maps with the answer scripts (Part E).

खण्ड – क

PART – A

नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

Answer **all** the questions given below :

1. कनिंघम कौन था ? हड़प्पा सभ्यता की आरंभिक बस्तियों की पहचान के लिए उसने किन वृत्तांतों का प्रयोग किया ? किसी एक का उल्लेख कीजिए ।
Who was Cunningham ? Mention any one account used by him to locate the early settlements of Harappa civilization. 2
2. कृष्णदेव राय का किस वंश से संबंध था ? उसके विस्तार और सुदृढीकरण की नीति के किसी एक बिन्दु का उल्लेख कीजिए ।
Which dynasty did Krishnadeva Raya belong to ? Mention any one of his expansion and consolidation policies. 2
3. जवाहरलाल नेहरू के 'उद्देश्य प्रस्ताव' को एक ऐतिहासिक प्रस्ताव क्यों कहा जाता है ? कोई दो कारण लिखिए ।
Why is 'objectives resolution' of Nehru considered a momentous resolution ? Give any two reasons. 2

खण्ड – ख

PART – B

अनुभाग – I

SECTION – I

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

Answer any **three** of the following questions :

4. "मोहनजोदड़ो का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था ।" इस कथन की उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए ।
'The most unique feature of Mohenjodara was the planned urban centre.' Support the statement with examples. 5



5. "प्राचीन समय के पारिवारिक मूल्यों को जानने के लिए महाभारत एक अच्छा स्रोत है ।" इस कथन की उपयुक्त तर्कों सहित पुष्टि कीजिए । 5
 "The Mahabharata is a good source to study the Kinfolk's values of ancient times." Justify this statement with suitable arguments.
6. "जैन दर्शन द्वारा दिए गए अहिंसा और त्याग के सिद्धांत ने परंपरा को प्रभावित किया है ।" इस कथन की महावीर के संदेशानुसार पुष्टि कीजिए । 5
 "The principle of ahimsa and renunciation emphasized by Jainism has left its mark." Support the statement with Lord Mahavira's messages.
7. आधुनिक इतिहासकारों ने मगध को सबसे शक्तिशाली महाजनपद किस प्रकार बताया है ? स्पष्ट कीजिए । 5
 How do the modern historians explain the development of Magadha as the most powerful Mahajanpada ? Explain.

अनुभाग – II
 SECTION – II

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

Answer any **two** of the following questions :

8. "बर्नियर के शाही भू-स्वामित्व के विवरण ने पश्चिमी विचारकों जैसे कि फ्रांसिसी दार्शनिक मान्टेस्क्यू और जर्मन कार्ल मार्क्स को प्रभावित किया ।" इस कथन की न्यायसंगत पुष्टि कीजिए । 5
 "Bernier's description of imperial land-ownership influenced western theorists like French philosopher Montesquieu and German Karl Marx." Justify it with suitable arguments.
9. इस्लाम धर्म की उन विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए, जिनकी मदद से यह धर्म समूचे उप-महाद्वीप में फैल गया । 5
 Explain the features of Islamic religion which contributed to its spread through the sub-continent.
10. मुगल दरबार से जुड़े दैनिक कर्म और विशेष उत्सवों के दिनों ने किस प्रकार बादशाह की शक्ति को प्रतिपादित किया ? स्पष्ट कीजिए । 5
 In what ways have the daily routine and special festivities associated with the Mughal court conveyed a sense of power of the Mughal emperor ? Explain.

अनुभाग – III
 SECTION – III

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

Answer any **two** of the following questions :

11. 'पाँचवी रिपोर्ट' इंग्लैंड में गंभीर वाद-विवाद का आधार क्यों बनी ? स्पष्ट कीजिए । 5
 Why did the Fifth Report become the basis of intense debate in England ? Explain.



12. गांधीजी के राजनीतिक जीवन वृत्त तथा राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास का पुनर्निर्माण करने के विभिन्न उपलब्ध स्रोतों ने इतिहासकारों की किस प्रकार मदद की है ? स्पष्ट कीजिए । 5

How have the different kinds of available sources helped the historians in reconstructing the political career of Gandhiji and the history of the national movement that was associated with it ? Explain.

13. "19वीं शताब्दी के दौरान औपनिवेशिक शहरों में महिलाओं के लिए नए अवसर उपलब्ध थे ।" इस कथन की पुष्टि तथ्यों के आधार पर कीजिए । 5

"The colonial cities offered new opportunities to women during the 19th century." Support the statement with facts.

अनुभाग – IV

SECTION – IV

(मूल्य आधारित) (Value based)

(खण्ड I-III) (Part I – III)

14. निम्नलिखित मूल्य आधारित अनुच्छेद को पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
नवाब वाजिद अली शाह को यह कहते हुए गद्दी से हटा कर कलकत्ता निष्कासित कर दिया गया था कि वह अच्छी तरह शासन नहीं चला रहे थे । ब्रिटिश सरकार ने यह निराधार निष्कर्ष भी निकाल लिया कि वाजिद अली शाह लोकप्रिय नहीं थे । मगर सच यह है कि लोग उन्हें दिल से चाहते थे । जब वे अपने प्यारे लखनऊ से विदा ले रहे थे तो बहुत सारे लोग विलाप करते हुए कानपुर तक उनके पीछे गए थे । नवाब के निष्कासन से पैदा हुए दुख और अपमान के इस व्यापक अहसास को उस समय के बहुत सारे प्रेक्षकों ने दर्ज किया है । एक ने लिखा था : "देह से जान जा चुकी थी । शहर की काया बेजान थी... । कोई सड़क, कोई बाज़ार और घर ऐसा न था जहाँ से जान-ए-आलम से बिछड़ने पर विलाप का शोर न गूँज रहा हो ।" एक लोकगीत में इस बात पर शोक व्यक्त किया गया कि
"अंगरेज बहादुर आइन, मुल्क लई लीन्हों ।"

प्रश्न :

- (a) लोगों ने विलाप और शोक क्यों व्यक्त किया ? स्पष्ट कीजिए । 3
(b) उपरोक्त उद्धरण किन मानवीय मूल्यों को प्रदर्शित करता है ? 2

Read the 'value-based' passage given below and answer the questions that follow :

Nawab Wajid Ali Shah was dethroned and exiled to Calcutta on the plea that the region was being misgoverned. The British government also wrongly assumed that Wajid Ali Shah was an unpopular ruler. On the contrary, he was widely loved, and when he left his beloved Lucknow, there were many who followed him all the way to Kanpur singing songs of lament. The widespread sense of grief and loss at the Nawab's exile was recorded by many contemporary observers. One of them wrote : "The life was gone out of the body, and the body of this town had been left lifeless ... there was no street or market and house which did not wail out the cry of agony in separation of Jan-i-Alam." One folk song bemoaned that "the honourable English came and took the country."

(Angrez Bahadur ain, mulk lai linho).

Questions :

- (a) Why did people bemoan and show an emotional upheaval at ? Explain.
(b) What human values are revealed in the above passage ?



खण्ड - ग

PART - C

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (Long Answer Questions)

15. 15वीं शताब्दी के दौरान एक फारसी राजदूत अब्दुर रज्जाक, विजयनगर की किलेबंदी से क्यों अत्यधिक प्रभावित था ? स्पष्ट कीजिए ।

10

अथवा

पंचायत और गाँव के मुखिया किस तरह से मुगल ग्रामीण समाज का नियमन करते थे ? स्पष्ट कीजिए ।

Explain why Abdur Razzak, a Persian Ambassador, was greatly impressed by the fortification of Vijayanagara Empire during the 15th century.

OR

Explain the ways through which Mughal village Panchayats and village headmen regulated rural society.

16. भारत का बँटवारा एक सांप्रदायिक राजनीति का आखिरी बिंदु कैसे था जो 20वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में शुरू हुआ ? स्पष्ट कीजिए ।

10

अथवा

भारतीय संविधान किस प्रकार केन्द्र और राज्य सरकारों के अधिकारों को सुरक्षित करता है ? स्पष्ट कीजिए ।

Explain how Indian partition was a culmination of communal politics that started developing in the opening decades of the 20th century.

OR

Explain how the Constitution of India protects the rights of the Central Government and the States.

खण्ड - घ

PART - D

(अनुच्छेद आधारित प्रश्न) (Passage Based Questions)

17. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

रैयत अर्जी

नीचे एक याचिका का उदाहरण दिया गया है जो करजत तालुकों के मीरगाँव के एक रैयत द्वारा कलेक्टर अहमदनगर, दक्कन दंगा आयोग को दी गई थी :

साहूकार लोग काफी दिनों से हम पर अत्याचार कर रहे हैं ? चूँकि हम अपना घर खर्च चलाने के लिए काफी मात्रा में पैसा नहीं कमा सकते, इसलिए हम उनसे पैसा, कपड़ा और अनाज माँगने के लिए मजबूर हो गए हैं । उनसे हमें ये चीजें मिलती जाती हैं पर बड़ी कठिनाई से और उसके लिए हमें उनके साथ कड़ी शर्तों पर बंधपत्र लिखने के लिए मजबूर होना पड़ता है । इसके अलावा कपड़ा और अनाज भी नकद दरों पर नहीं बेचा जाता । हमसे जो कीमतें माँगी जाती हैं वह नकदी कीमत चुकाने वाले ग्राहकों की अपेक्षा आमतौर पर 25 से 50 प्रतिशत ज्यादा होती हैं । हमारे खेतों की उपज भी साहूकार ले जाते हैं; उपज ले जाते समय तो वे हमें यह आश्वासन देते हैं कि इसकी कीमत हमारे खाते में जमा कर दी जाएगी लेकिन वे हमारे खातों में ऐसा कोई उल्लेख नहीं करते । वे जब हमारी उपज ले जाते हैं तो बदले में कोई रसीद भी नहीं देते ।

(क) रैयतों ने किस प्रकार का अन्याय अनुभव किया ? 3

(ख) ऋणदाताओं द्वारा किसानों से फ़सल क्यों ली जाती है और ली जाने वाली फ़सल उनके खातों में क्यों नहीं चढ़ाई जाती थी ? 3

(ग) उस आयोग का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए जो इस तरह की याचिकाओं और शिकायतों की जाँच करता था । 2

अथवा

61/1/1

5

[P.T.O.]



collegedunia.com

India's largest Student Review Platform

असामान्य समय में सामान्य जीवन

विद्रोह के महीनों में शहरों में क्या हुआ ? उथल-पुथल के उन दिनों में लोग अपनी जिंदगी कैसे जी रहे थे ? सामान्य जीवन किस तरह प्रभावित हुआ ? विभिन्न शहरों की रिपोर्टों से पता चलता है कि सामान्य गतिविधियाँ अस्त-व्यस्त हो गई थीं । दिल्ली उर्दू अखबार, 14 जून 1857 की इन रिपोर्टों को पढ़िए :

यही हालात सब्जियों और साग (पालक) के भी हैं । लोग इस बात पर शिकायत कर रहे हैं कि बाजारों में कद्दू और बैंगन तक नहीं मिलते । आलू और अरबी अगर मिलती भी हैं तो बासी, सड़ी जिसे कुँजड़ों (सब्जी बेचने वाले) ने रोक कर (जमाकर) रखा हुआ था । शहर में स्थित बाग-बगीचों से कुछ माल चंद इलाकों तक पहुँच जाता है लेकिन गरीब और मध्यवर्ग वाले उन्हें देखकर बस होठों पर जीभ फिरा कर रह जाते हैं (क्योंकि वे चीजें खास लोगों के लिए ही हैं) ।

.....यहाँ एक और चीज़ पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए जिससे लोगों को बड़ा नुकसान हो रहा है । मामला यह है कि पानी भरने वालों ने पानी भरना बंद कर दिया है । गरीब शुरफ़ा (कुलीन लोग) खुद घड़ों में पानी भरकर लाते हैं और तब जाकर घर में खाना बनता है । हलालखोर हरामखोर हो गए हैं । कई दिनों से बहुत सारे मोहल्लों में कोई आमदनी नहीं हुई है और यही हालात बने रहे तो गंदगी, मौत और बीमारियाँ शहर की आबो-हवा खराब कर देंगी और शहर महामारी की गिरफ्त में आ जाएगा, यहाँ तक कि आस-पास के इलाके भी उसकी चपेट में आ जाएँगे ।

(क) 1857 के विद्रोह के महीनों में दिल्ली शहर में क्या हुआ था ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) उथल-पुथल के उन दिनों में लोग अपनी जिंदगी किस प्रकार जी रहे थे ?

(ग) लोगों की सामान्य दैनिक जीवन की गतिविधियाँ किस प्रकार अस्त-व्यस्त हुईं ?

Read the extracts given below and answer the questions that follow

A ryot petitions

This is an example of a petition from a *ryot* of the village of Mirajgaon, Taluka Karjat, to the Collector, Ahmednagar. Deccan Riots Commission :

The *sowkars* (*sahukars*) have of late begun to oppress us. As we cannot earn enough to defray our household expenses, we are actually forced to beg of them to provide us with money, clothes and grain, which we obtain from them not without great difficulty, nor without their compelling us to enter into hard conditions in the bond. Moreover the necessary clothes and grain are not sold to us at cash rates. The prices asked from us are generally twenty-five or fifty per cent more than demanded from customers making ready money payments ... The produce of our fields is also taken by the *sowkars*, who at the time of removing it assure us that it will be credited to our account, but they do not actually make any mention of it in the accounts. They also refuse to pass us any receipts for the produce so removed by them.

(a) What kind of injustice was experienced by the *ryots* ?

(b) Why was the harvest taken away by the money lenders and why was it not credited to the peasant's account ?

(c) Give details on the commission that investigated petitions and grievances of the concerned people.

OR



Ordinary life in extraordinary times

What happened in cities during the months of Revolt ? How did people live through those months of tumult ? How was normal life affected ? Reports from different cities tell us about the breakdown in routine activities. Read these reports from the *Delhi Urdu Akhbar*, 14 June 1857 :

The same thing is true for vegetables and *saag* (spinach). People have been found to complain that even *kaddu* (pumpkin) and *baingan* (brinjal) cannot be found in the bazaars. Potatoes and *arvi* (yam) when available are of stale and rotten variety, stored from before by farsighted *kunjras* (vegetable growers). From the gardens inside the city some produce does reach a few places but the poor and the middle class can only lick their lips and watch them (as they are earmarked for the select)

....There is something else that needs attention which is causing a lot of damage to the people which is that the water-carriers have stopped filling water. Poor *Shurfas* (gentility) are seen carrying water in pails on their shoulders and only then the necessary household tasks such as cooking, etc. can take place. The *halalkhors* (righteous) have become *haramkhors* (corrupt), many *mohallas* have not been able to earn for several days and if this situation continues then decay, death and disease will combine together to spoil the city's air and an epidemic will spread all over the city and even to areas adjacent and around.

- Explain what happened in Delhi city during the months of the 1857 Revolt ?
- How did people live through those months of tumult ?
- How did the routine activities disturb the people ?

18. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

“खुशकिस्मती के गुलाब बाग की सिंचाई”

नीचे दिये गए अंश में अबुल फ़ज़ल ने बड़े साफ़ तौर पर ये खुलासा किया है कि उसने कैसे और किनसे अपनी सूचनाएँ हासिल कीं :

..... अबुल फ़ज़ल, वल्द मुबारक..... को यह शानदार हुकम दिया गया, “शानदार घटनाओं और राज्य-क्षेत्र अधीन करने वाली हमारी फ़तहों की दास्तान ईमानदारी के कलम से लिखो... ।” तसल्ली से, मैंने काफ़ी खोजबीन और मिहनत करके महामहिम की गतिविधियों के सबूत और दस्तावेज़ इकट्ठे किए और बहुत समय तक राज्य के मुलाज़िमों व शाही परिवार के सदस्यों के साथ जवाब-तलब किया । मैंने सच बोलने वाले समझदार बुजुर्गों और फुर्तीले दिमाग वाले, सत्यकर्मी जवानों दोनों (की बातों) को परखा, और उनके बयानों को लिखित रूप से दर्ज किया । सूबों को शाही हुकम जारी किया गया कि पुराने मुलाज़िमों में जिस किसी को बीते वक्त की घटनाएँ याद हों, पूरे विश्वास के साथ या मामूली शक के साथ (भी), वे अपने संस्मरण को लिखें और उसे दरबार भेज दें, (फिर) उस पाक-मौजूदगी के कक्ष से एक और हुकम रौशन हुआ; वो ये, कि जो सामग्री जमा की जाए.... उसे शाही मौजूदगी में पढ़कर सुनाया जाए, और बाद में जो कुछ भी लिखा जाना हो, उसे उस महान किताब में परिशिष्ट की शकल में जोड़ दिया जाए, और ये कि ऐसे ब्योरे जो जाँच-पड़ताल की बारीकियों की वजह से, या मामले की बारीकियों की वजह से, उसी समय अंजाम तक नहीं लाए जा सके, उन्हें मैं बाद में दर्ज करूँ ।



ईश्वरी अध्यादेश का खुलासा करने वाले इस शाही हुक्म (की वजह) से अपनी गुप्त फ़िक्र से राहत पाकर, मैंने ऐसे कच्चे प्रारूप लिखने की शुरुआत की, जिसमें शैली या विन्यास की खूबसूरती नहीं थी। मैंने इलाही संवत के उन्नीसवें साल से – जब महामहिम की दानिशमंद अक्ल से दस्तावेज़ दफ़्तर स्थापित किया गया था – घटनाओं का इतिहासवृत्त हासिल किया, और उसके भरे-पूरे पन्नों से मैंने कई मामलों का ब्योरा पाया। काफ़ी तकलीफ़ें उठाकर उन सभी हुक्मों की मूल प्रति या नकल हासिल की गई जो राज्याभिषेक से लेकर आज तक सूबों को जारी किए गए थे। काफ़ी दिक्कतों का सामना करते हुए, मैंने उनमें से कई रिपोर्टों को भी शामिल किया जो साम्राज्य के विभिन्न मामलों या दूसरे देशों में घटी घटनाओं के बारे में थीं और जिन्हें ऊँचे अफ़सरों और मंत्रियों ने भेजा था और जवाब-तलब व खोजबीन के तंत्र से मेरी मिहनतपसंद रूह संतृप्त हो गई। बड़ी कर्मठता के साथ मैंने वे कच्चे मसौदे व ज्ञापनपत्र भी हासिल किए जो जानकार और दूरदर्शी लोगों ने लिखे थे। इन तरीकों से खुशकिस्मती के इस गुलाब बाग (अकबरनामा) को सींचने और नमी देने के लिए मैंने हौज़ बनाया।

- (क) अबुल फ़जल कौन था ? 2
- (ख) उन सभी स्रोतों की सूची बनाएँ, जिनका उपयोग उसने अपनी पुस्तक पूरी करने के लिए किया। 4
- (ग) किन्हीं दो-दो प्रशासनिक और साहित्यिक परियोजनाओं के नाम बताइये, जिनकी रचना उसने सम्राट अकबर के निर्देशानुसार की थी। 2

अथवा

राजा और व्यापारी

विजयनगर के सबसे प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय (शासनकाल 1509-29) ने शासनकला के विषय में अमुक्तमल्यद नामक तेलुगु भाषा में एक कृति लिखी। व्यापारियों के विषय में उसने लिखा :

एक राजा को अपने बन्दरगाहों को सुधारना चाहिए और वाणिज्य को इस प्रकार प्रोत्साहित करना चाहिए कि घोड़ों, हाथियों, रत्नों, चंदन, मोती तथा अन्य वस्तुओं का खुले तौर पर आयात किया जा सके... उसे प्रबंध करना चाहिए कि उन विदेशी नाविकों जिन्हें तूफानों, बीमारी या थकान के कारण उनके देश में उतरना पड़ता है, की भली-भाँति देखभाल की जा सके... सुदूर देशों के व्यापारियों, जो हाथियों और अच्छे घोड़ों का आयात करते हैं, को रोज बैठक में बुलाकर, तोहफ़े देकर तथा उचित मुनाफे की स्वीकृति देकर अपने साथ संबद्ध करना चाहिए। ऐसा करने पर ये वस्तुएँ कभी भी तुम्हारे दुश्मनों तक नहीं पहुँचेंगी।

- (क) विजयनगर का सबसे प्रसिद्ध शासक कौन था और क्यों ? 3
- (ख) उनकी कृति और विषय का उल्लेख कीजिए। 2
- (ग) आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि राजा व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए इच्छुक था ? स्पष्ट कीजिए। 3



Read the passage given below and answer the questions that follow :

“Moistening the rose garden of fortune”

In this extract Abu'l Fazl gives a vivid account of how and from whom he collected his information :

... to Abu'l Fazl, son of Mubarak ... this sublime mandate was given. “Write with the pen of sincerity the account of the glorious events and of our dominion-conquering victories ... Assuredly, I spent much labour and research in collecting the records and narratives of His Majesty's actions and I was a long time interrogating the servants of the State and the old members of the illustrious family. I examined both prudent, truth-speaking old men and active-minded, right actioned young ones and reduced their statements to writing. The Royal commands were issued to the provinces, that those who from old service remembered, with certainty or with adminicle of doubt, the events of the past, should copy out the notes and memoranda and transit them to the court. (Then) a second command shone forth from the holy Presence-chamber; to wit – that the materials which had been collected should be ... recited in the royal hearing, and whatever might have to be written down afterwards, should be introduced into the noble volume as a supplement, and that such details as on account of the minuteness of the inquiries and the *minutae* of affairs, (which) could not then be brought to an end, should be inserted afterwards at my leisure.

Being relieved by this royal order – the interpreter of the Divine ordinance – from the secret anxiety of my heart, I proceeded to reduce into writing the rough draughts (drafts) which were void of the grace of arrangement and style. I obtained the chronicle of events beginning at the Nineteenth Year of the Divine Era, when the Record Office was established by the enlightened intellect of His Majesty, and from its rich pages, I gathered the accounts of many events. Great pains too, were taken to procure the originals or copies of most of the orders which had been issued to the provinces from the Accession up to the present-day ... I also took much trouble to incorporate many of the reports which ministers and high officials had submitted, about the affairs of the empire and the events of foreign countries. And my labour-loving soul was satiated by the apparatus of inquiry and research. I also exerted myself energetically to collect the rough notes and memoranda of sagacious and well-informed men. By these means, I constructed a reservoir for irrigating and moistening the rose garden of fortune.

(The Akbar Nama)

- (a) Who was Abul Fazl ?
- (b) Enumerate the sources he used to compile his work.
- (c) Name any two administrative and two literary projects compiled by him at the order of Emperor Akbar.

OR



Kings and traders

Krishnadeva Raya (ruled 1509-29), the most famous ruler of Vijayanagara, composed a work on statecraft in Telugu known as the *Amuktamalyada*. About traders he wrote :

A king should improve the harbours of his country and so encourage its commerce that horses, elephants, precious gems, sandalwood, pearls and other articles are freely imported ... He should arrange that the foreign sailors who land in his country on account of storms, illness and exhaustion are looked after in a suitable manner. ... Make the merchants of distant foreign countries who import elephants and good horses be attached to yourself by providing them with daily audience, presents and allowing decent profits. Then those articles will never go to your enemies.

- Who was the most famous ruler of Vijayanagara and why ?
- Mention the name and theme of the work compiled by him.
- Why do you think the King was interested in encouraging trade ? Explain.

19. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

व्यवहार में बौद्ध धर्म

सुत्त पिटक से लिए गए इस उद्धरण में बुद्ध सिगल नाम के एक अमीर गृहपति को सलाह दे रहे हैं :

मालिक को अपने नौकरों और कर्मचारियों की पाँच तरह से देखभाल करनी चाहिए ... उनकी क्षमता के अनुसार उन्हें काम देकर, उन्हें भोजन और मजदूरी देकर, बीमार पड़ने पर उनकी परिचर्या करके, उनके साथ सुस्वादु भोजन बाँटकर और समय-समय पर उन्हें छुट्टी देकर...

कुल के लोगों को पाँच तरह से श्रमणों (जिन्होंने सांसारिक जीवन को त्याग दिया है) और ब्राह्मणों की देखभाल करनी चाहिए ... कर्म, वचन और मन से अनुराग द्वारा, उनके स्वागत में हमेशा घर खुले रखकर और उनकी दिन-प्रतिदिन की जरूरतों की पूर्ति करके ।

सिगल की माता-पिता, शिक्षक और पत्नी के साथ व्यवहार के लिए भी ऐसे ही उपदेश दिए गए हैं ।

- बुद्ध ने सिगल को मालिक और अपने नौकरों और कर्मचारियों के संबंधों के बारे में क्या सलाह दी ? 3
- श्रमणों और ब्राह्मणों को बुद्ध द्वारा दिए गए सुझावों को सूचीबद्ध कीजिए । 3
- आप के अनुसार बुद्ध द्वारा माता-पिता और शिक्षकों के लिए क्या निर्देश दिए गए होंगे ? 2

अथवा

एक दैवीय व्यवस्था ?

अपनी मान्यता को प्रमाणित करने के लिए ब्राह्मण बहुधा ऋग्वेद के पुरुषसूक्त मंत्र को उद्धृत करते थे जो आदि मानव पुरुष की बलि का चित्रण करता है । जगत के सभी तत्त्व जिनमें चारों वर्ण शामिल हैं, इसी पुरुष के शरीर से उपजे थे ।

ब्राह्मण उसका मुँह था, उसकी भुजाओं से क्षत्रिय निर्मित हुआ ।

वैश्य उसकी जंघा थी, उसके पैर से शूद्र की उत्पत्ति हुई ।

- ऋग्वेद में पुरुष की बलि का किस प्रकार वर्णन है ? 3
- ऋग्वेद के अनुसार संसार के सभी तत्त्व और चार वर्ण पुरुष के शरीर से कैसे उपजे थे ? 3
- ब्राह्मणों ने किस प्रकार इन नीतियों का पालन करवाया ? 2



Read the passage given below and answer the questions that follow :

Buddhism in practice

This is an excerpt from the *Sutta Pitaka* and contains the advice given by the Buddha to a wealthy householder named Sigala :

In five ways should a master look after his servants and employees ... by assigning them work according to their strength, by supplying them with food and wages, by tending them in sickness; by sharing delicacies with them and by granting leave at times ...

In five ways should the clansmen look after the needs of Samanas (those who have renounced the world) and Brahmanas by affection in act and speech and mind, by keeping open house to them and supplying their worldly needs. There are similar instructions to Sigala about how to behave with his parents, teacher and wife.

- What advice was given by Buddha to Sigala regarding relationship between a master and his servants and employees ?
- List the instructions given by Buddha to the clansmen for Samanas and Brahmanas.
- According to you what suggestion Buddha would have advocated regarding parents and teachers ?

OR

A divine order ?

To justify their claims, Brahmanas often cited a verse from a hymn in the Rigveda known as the Purusha Sukta, describing the sacrifice of Purusha, the primeval man. All the elements of the universe, including the four social categories, were supposed to have emanated from his body :

The Brahmana was his mouth, of his arms was made the Kshatriya.

His thighs became the Vaishya, of his feet the Shudra was born.

- How does Rigveda describe the sacrifice of Purusha ?
- According to Rigveda how did the elements of universe and four social categories emanate ?
- How did the Brahmanas enforce these norms ?

खण्ड - ड

PART - E

20. दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए :

5 × 1 = 5

- क) कुरु
- ख) राजगीर
- ग) मगध
- घ) अवन्ति
- ड) उज्जैन

अथवा



दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए :

- (क) गोलकुंडा
- (ख) विजयनगर
- (ग) मैसूर
- (घ) क्विलोन
- (ङ) तिरुवल्ली

On the given Political Outline Map of India mark and name the following :

- (a) Kuru
- (b) Rajgir
- (c) Magadha
- (d) Avanti
- (e) Ujjain

OR

On the given political Outline Map of India, mark and name the following :

- (a) Golconda
- (b) Vijayanagar
- (c) Mysore
- (d) Quilon
- (e) Tirunelveli

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र प्रश्न सं. 20 के स्थान पर है :

- (क) पाँच महत्त्वपूर्ण महाजनपदों के नाम लिखिए ।

अथवा

- (ख) राष्ट्रीय आंदोलन के पाँच महत्त्वपूर्ण केन्द्रों के नाम लिखिए ।

Note : The following questions are only for the **Visually Impaired Candidates** in lieu of map Question No. 20 :

- (a) Name five important Mahajanapadas.

OR

- (b) Mention five important centres of national movement.

21. भारत के राजनीतिक मानचित्र में 1857 के पाँच विद्रोह के केन्द्र 1, 2, 3, 4 तथा 5 चिन्हित किए गए हैं । उन्हें पहचानिए और उनके साथ खींची हुई रेखाओं पर उनके नाम लिखिए ।

On the given political outline map of India five centres of the Revolt of 1857 are marked as 1, 2, 3, 4 and 5. Identify them and write their names on the line given against each on the map.

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए प्र.सं. 21 के स्थान पर है :

1857 के विद्रोह के किन्हीं पाँच केन्द्रों के नाम लिखिए ।

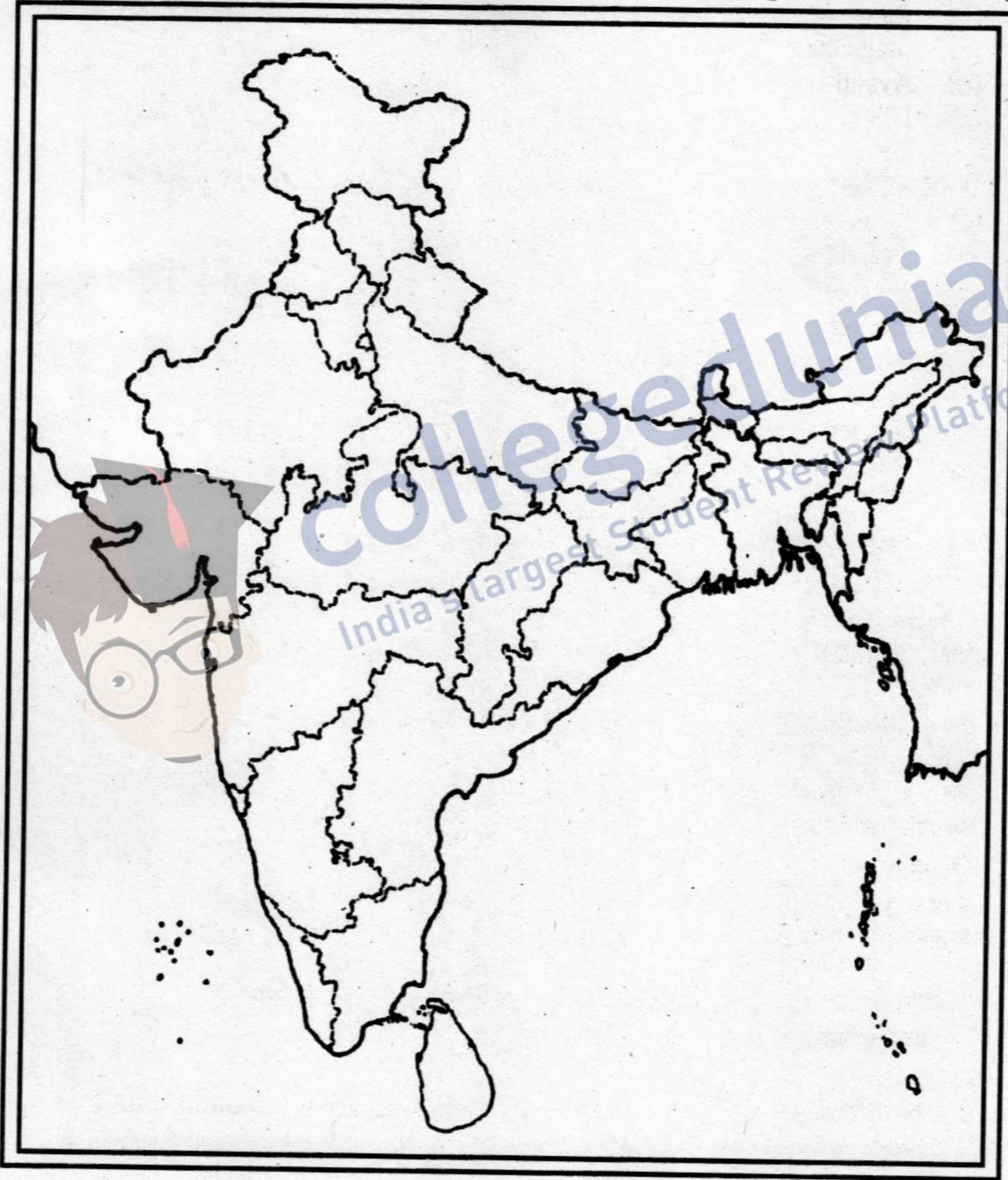
Note : The following question is for the **Visually Impaired Candidates only** in lieu of Question No. 21 :

Mention any five centres of the Revolt of 1857.

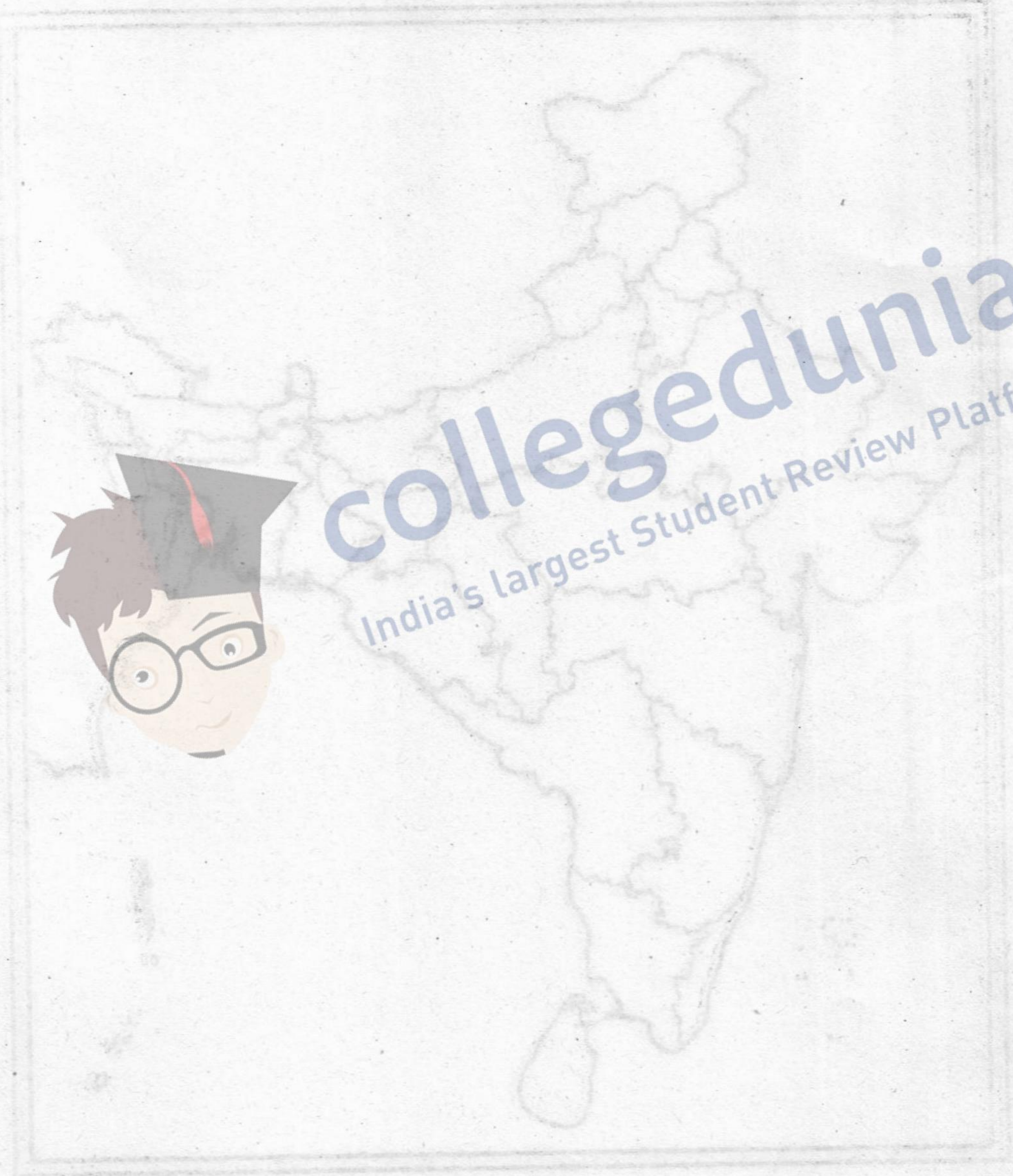


प्रश्न सं. 20 के लिए मानचित्र
Map for Q. No. 20

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)
Outline Map of India (Political)



www.collegedunia.com



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं. 21 के लिए मानचित्र
Map for Q. No. 21

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)
Outline Map of India (Political)

----- Cut Here ----- यहाँ से काटें ----- Cut Here ----- यहाँ से काटें -----

